जल सारथी ऐप बताएगा आपके गांव में बनी पानी की टंकी की पूरी कुंडली

- ऐप डाउनलोड कर जानकारी कर सकते हैं, शिकायत ऐप पर दर्ज करा सकते हैं
- टंकी निर्माण की शुरुआत से अब तक का स्टेटस, पानी की जांच करने वालों के नाम मिलेंगे

लखीमपुर, संवाददाता। आपके गांव में बनाई गई पानी की टंकी की कितनी लागत है। कम निर्माण शुरू हुआ था, कब पूरा होना है। कौन सी कंपनी बना रही है। पानी की जांच कब-कब हुई। रोज कितने घंटे पेयजलापूर्ति की जा रही है। पानी का फोर्स क्या है। इस तरह की पूरी जानकारी करने के लिए अब आपको विभाग के अधिकारियों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। मोबाइल सिर्फ एक एप जल सारथी एप डाउन कर लीजिए। खास बात यह है कि यह ऐप डाउन लोड करने के बाद किसी भी ब्लाक की किसी भी ग्राम पंचायत के पानी की टंकी सप्लाई की जानकारी कर सकेंगे।

जलनिगम के अधिकारियों के मुताबिक जिले की 1127 गांव में पेयजलापूर्ति की जा रही है। ओवरहेड टैंक बनाने, पाइप लाइन डालने, पेयजलापूर्ति करने की जिम्मेदारी दो संस्थाओं बीटीएल व एनसीसी को दी गई है। अगर आंकड़ों को देखा जाए तो 1127 में 634 गांवों में ओवरहेड टैंक से पेयजल की आपूर्ति की जाती है जबकि अन्य में डायरेक्ट सप्लाई हो रही है। पेयजलापूर्ति की लगातार मानीटरिंग की जा रही है। विभाग के अधिकारी गांव-गांव जाकर जल अर्पण कार्यक्रम के माध्यम से पेयजला पूर्तिको लेकर शिकायतें दर्ज कर रहे हैं। वहीं विभाग ने लोगों की सुविधा के लिए जल सारथी ऐप लांच किया है। यह ऐप गांव के लोगों को मोबाइल में डाउन लोड कराया जा रहा है। ऐप डाउन लोड होने के बाद पानी की टंकी की पूरी कुंडली आपके मोबाइल में होगी। खास बात यह है कि अगर पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है, फोर्स कम हैं या कोई अन्य समस्या है तो ऐसी ऐप पर अपनी शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। इसकी मानीटरिंग लगातार की जा रही है।

> गांव के लोगों को जल सारथी ऐप डाउनलोड कराया जा रहा है। ऐप डाउन करने के बाद गांव की पानी की टंकी पूरी डिटेल मोबाइल पर आ जाएगी। अगर कोई शिकायत है तो वह भी दर्ज कर सकते हैं। जिन ग्राम पंचायतों में पेयजलापूर्ति हो रही है वहां के लोग ऐप जरूर डाउनलोड कर लें।
>
> – **मनोज मौर्य,** अधिशासी अभियंता जलनिगम

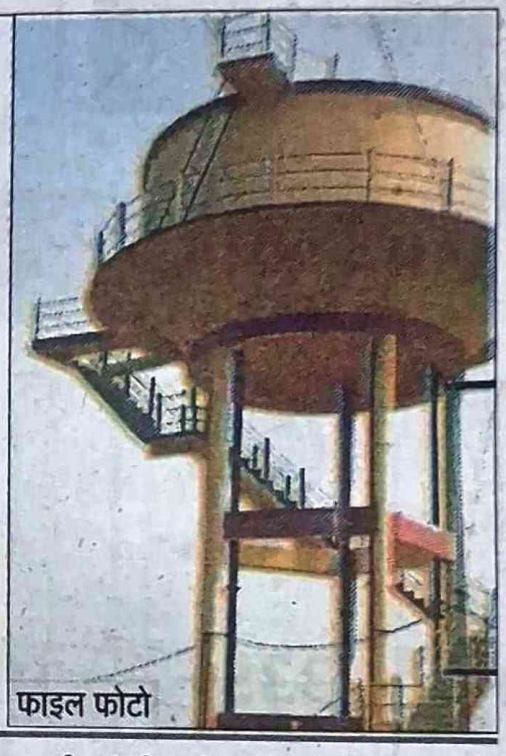

फाइल फोटो